हिन्दुस्तान – 11 मार्च 2010

महिलाओं की जानकारी पर होता है अविश्वास

महिला राजनैतिक सशक्तिकरण की एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली

'जब मैंने अपने गांव में ढांचागत सुधार व शराब रोकथाम के लिए लगातार गश्त लगाना शुरू किया तब शुरू में गांव के लोगों ने मेरा बहुत विरोध किया। यदि मेरी जगह एक पुरूष सरपंच होता तो यही गांव के लोग उसकी प्रशंसा में थकते नहीं', हरियाणा के एक गांव की सरपंच व राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित रोशनी देवी ने महिला राजनैतिक सशक्तिकरण की एक राष्ट्रीय कार्यशाला में कहा। 75 से भी अधिक महिला पंचायत निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में भागीदारी की। कार्यशाला का आयोजन पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया (प्रिया) द्वारा इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में 9-10 मार्च, 2010 के दौरान हुआ।

2005-06 में पिछले चुनाव की तुलना में इस वर्ष के चुनावी दौर में महिलाओं ने न केवल अनारक्षित सीटों से चुनाव लड़ी बल्कि जीतकर भी आई। बिहार के पटना जिले के प्रखंड गनियावा से आई विकलांग सरपंच कांती देवी ने कहा कि 'सरकारी नीतियों व कार्यक्रमों के बारे में पुरूषों के मुकाबले महिलाओं द्वारा दी गई जानकारी को अविश्वास की नजर से देखते हैं।' बीडीओ व अन्य ग्रामीण सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार के मुद्दों पर चर्चा करते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव के. सिंहा ने कहा कि, 'समस्या को इस तरह देखने की जरूरत है कि या तो आप इंतजार करें कि सभी अधिकारी ईमानदार व निष्ठावान बन जाए या फिर अपने मतभेदों को भूलकर खड़े हो और कार्य करें।

राज्य सभा में महिला बिल पास होने के संदर्भ में अपने आप में यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण था। इस दो-दिवसीय कार्यशाला में चुनाव क्षेत्र निर्माण, चुनाव क्षेत्र में विकास हेतु कार्य, और संवाद के तौर-तरीके/मीडिया से संबंध आदि मुद्दों पर प्रशिक्षण सत्र हुए।

इस कार्यशाला को अपनी सामुहिक शक्ति दर्शाने का एक मंच के रूप में प्रयोग किया।